कचरे की शिफ्टिंग एवं निष्पादन का कार्य भी तेजी से कराएं: नारायन

भोपाल (काप्र)।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने आदमपुर लैण्डफ्लि साईट का निरीक्षण किया और लीचेट प्लांट को पूरी क्षमता से संचालित कर लीचेट का निष्पादन सुनिश्चित करने, लैण्डफ्लि साईट एवं बॉयो सी.एन.जी प्लांट क्षेत्र से कचरे की शिफ्टिंग हेतु ट्रको/डम्परों की संख्या बढ़ाकर कार्य तेजी से करने और ट्रॉमल मशीनों को भी पूरी क्षमता के साथ संचालित कर कचरे का निष्पादन शीघ्रता से करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने बॉयो सीएनजी प्लांट निर्माण हेतु आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में संबंधित कम्पनी को सहयोग करने, डायजेस्टर का कार्य तेजी से कराने तथा वृहद एवं सघन वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधों की बेहतर देखभाल करने एवं घोड़ा पछाड़ डेम से पानी लेकर पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव, उपायुक्त योगेन्द्र पटेल, अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शुक्रवार को प्रातः आदमपुर छावनी स्थित निगम की लैण्डफ्लि साईट का निरीक्षण किया और लीचेट प्लांट संचालन, अतिशेष कचरे हेतु बनाई गई लैण्डफिल साईट एवं बॉयो सी.एन.जी प्लांट से कचरे की शिफ्टिंग, अपशिष्ट निष्पादन आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने गीले कचरे से निकलने वाले लीचेट का निष्पादन तेजी से करने हेतु लीचेट प्लांट का संचालन पूरी क्षमता के साथ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने लैण्डफ्लि साईट से अनावश्यक कचरे को हटाने के कार्य में संलग्न ट्रकों/डम्परों आदि की संख्या बढ़ाकर शिफ्टिंग का कार्य और तेजी से करने, ट्रॉमल मशीनों को पूरी क्षमता के साथ दो शिफ्टों में चलाकर कचरा निष्पादन शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने बॉयो सी.एन.जी प्लांट स्थल का निरीक्षण करते हुए कचरे को शीघ्रता से हटवाने, प्लांट स्थापना हेतु पर्यावरण आदि संबंधी अनुमतियां प्राप्त करने में संबंधित कम्पनी को सहयोग करने व डायजेस्टर का कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने आदमपुर क्षेत्र में वृहद एवं सघन वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधों की बेहतर ढंग से देखभाल करने, निंदाई-गुडाई कराने, घांस-फूंस व सफाई कार्य कराने, पर्याप्त मात्रा में खाद, मिट्टी पेड़ों में डालने तथा घोड़ा पछाड डेम से पानी की पर्याप्त व्यवस्था कर नियमित रूप से सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री आज मुंबई प्रवास पर रहेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 18 मई को मुंबई प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान पत्रकार वार्ता, शोभा यात्रा एवं जनसभा को संबोधित करेंगे। डॉ. यादव प्रातः 11.50 बजे मुंबई के नरिमन प्वाइंट स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। आप दोपहर 1.35 बजे मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा के शिवाजी पार्क दादर में आयोजित शोभा यात्रा में शामिल होंगे। डॉ. यादव शाम 4 बजे मुंबई दक्षिण लोकसभा के लालबाग, मेघवाडी में जनसभा को संबोधित करेंगे।

राजधानी के साकेत नगर के रहवासियों ने शुक्रवार को राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर से भेंटकर क्षेत्र में लगी शराब की दुकान हटाने की मांग की।

अपने शब्दों के माध्यम से हमारे बीच रहेंगी मालती जी

नगर की साहित्यिक संस्थाओं ने मालती जोशी को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (काप्र)।

प्रख्यात कथाकार मालती जोशी को शुक्रवार शाम शहर की साहित्यिक संस्थाओं की ओर से हिंदी भवन में श्रद्धांजलि दी गई। मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा आहूत शोक सभा में दर्जन भर से संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उनका स्मरण करते हुए उनके निधन को हिंदी कथा संसार में कभी न भर पाने वाला सूनापन बताया।

मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अध्यक्ष सुखदेव प्रसाद दुबे ने कहा कि मालती जोशी का हिंदी भवन से गहरा रिश्ता रहा। उनका जाना इस संस्था के लिए भी अपूरणीय क्षति है। लेखक संघ के रामवल्लभ आचार्य ने कहा कि मालती जी की कहानियां हमारे घर-परिवार की कहानियां हैं। बाल साहित्य शोध केंद्र के निदेशक महेश सक्सेना ने कहा कि मालती जी जितनी बड़ी कहानीकार थी, उतनी ही बड़ी

इंसान भी थी। उनका सहज व्यक्तित्व ही उन्हें बड़ा इंसान बनाता है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की सुनीता यादव ने कहा कि मालती जी कहीं गई नहीं हैं, वे उनके शब्दों के माध्यम से सदा हमारे बीच रहेंगी। शोक सभा में हिंदी भवन महिला प्रकोष्ठ की डॉ. अनीता सक्सेना, कला मंदिर के गौरीशंकर गौरीश, प्रभात साहित्य परिषद के अशोक धमनियां, लेखिका संघ की कुमकुम गुप्ता विवेकानंद केंद्र के बीके सांघी,के अलावा मंजू शुक्ला, रंजना अरगड़े, अशोक बुलानी ने भी अपने विचार रखे। संचालन जया केतकी ने किया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय अनुश्रवण समिति का गठन

राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन के अनुश्रवण के लिये उच्च स्तरीय अनुश्रवण समिति का गठन किया है। समिति मे अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, प्रमुख सचिव खाद्य प्रसंस्करण एव उद्यानिकी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, श्रम, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, मत्स्य पालन एवं मछुआ कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचालक,संस्थागत वित्त, संयोजक, राज्य अग्रणी बैंक सदस्य एवं अपर मुख्य सचिव, कुटीर एवं ग्रामोद्योग समिति के सदस्य सचिव होंगे।

निगम पुस्तकालयों में पाठकों एवं विद्यार्थियों की रूचि अनुसार व्यवस्था की जाए : हरेंद्र

भोपाल (काप्र)। नगर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने नवीनीकरण सोनागिरी पुस्तकालय का निरीक्षण कर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों का अवलोकन किया और निगम द्वारा संचालित पुस्तकालयों में पाठकों एवं विद्यार्थियों की रूचि अनुसार पुस्तकों की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा पाठकों को और अधिक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सोनागिरी पुस्तकालय में नवीनीकरण से पाठकों के लिए सर्वसुविधायुक्त पठन-पाठन की व्यवस्था उपलब्ध हुई है और यहां एक साथ 75 विद्यार्थी अध्ययन कर सकते हैं।

श्री नारायन ने शुक्रवार को वार्ड क्र. 64 स्थित सोनागिरी पुस्तकालय के नवीनीकरण उपरांत निरीक्षण किया और रेनोवेशन कार्यों, पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, पाठक संख्या आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा अलमारियों एवं रैक्स के पास स्वयं जाकर पुस्तकों का अवलोकन भी किया।

निगम आयुक्त श्री नारायन ने पुस्तकालय के रेनोवेशन एवं पुस्तकों व अन्य व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि निगम के पुस्तकालयों में पाठकों/ विद्यार्थियों की रूचि अनुसार पर्याप्त मात्रा में पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि पुस्तकालयों में पाठकों के लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए ताकि नागरिकों में पठन-पाठन के प्रति रूचि और बढ़े।

दोहे और जनश्रुतियों में विधि के स्त्रोतः न्यायाधीश मिश्र

भोपाल (काप्र)।

विधि को समझना है तो व्यावहारिक ज्ञान की अभिवृद्धि भी जरूरी है। विधि के स्त्रोत दोहे और जनश्रुतियों में भी हैं। मोटी-मोटी किताबों से पढ़ने के साथ ही यदि छोटे-छोटे उदाहरणों को समझा जाये तो हम ज्यादा बेहतर ढंग से कानूनी समझ विकसित कर सकते हैं।

यह विचार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्रा ने व्यक्त किए। वे कॅरियर कॉलेज ऑफ लॉ में आयोजित प्रथम फली एस नरीमन मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट कॉम्पटीशन का उद्घाटन कर रहे थे। कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में श्री मिश्रा ने महाकवि सूरदास के दोहे मैया मोरी मैं नहीं माखन खायों का

उदाहरण देते हुये बताया कि किस तरह इस दोहे के विभिन्न भागों में कानून के आशय छिपे हुए हैं। जैसे माखन चोरी के पावन प्रसंग में भगवान श्री कृष्ण माता यशोदा के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी प्रकार रूस में जार शासन और अब्राहम लिंकन का उदाहरण देते हुए कानून के विद्यार्थियों को बताया कि जागरूकता और सतत् संघर्ष से अपनी व्यावसायिक दक्षता को निखारा जा सकता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष कॅरियर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमेन मनीष राजोरिया ने कहा कि विधि के छात्रों को निरन्तर अध्ययन रहना चाहिए । उन्होंने प्रसिद्ध विधि वेत्ता फली एस. नरीमन का जिक्र करते हुए बताया कि विधि के क्षेत्र में उच्च मापदण्ड परम आवश्यक है । कॅरियर ग्रुप के संस्थापक विष्णु राजोरिया ने आशीष वचनों में छात्रों को व्यावसायिक दक्षता की आवश्यकता बताई। कॅरियर कॉलेज ऑफ लॉ के प्राचार्य डॉ. अनिल के. दीक्षित ने कॉलेज की प्रगति रिपोर्ट का वाचन किया एवं कार्यक्रम की शुरूआत औपचारिक घोषणा की। शिक्षा समूह के निदेशक प्रो. प्रदीप जैन ने कहा कि व्यावसायिक दक्षता विकसित करने के लिये इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है एवं भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहेंगे । इस कार्यक्रम में तीन अतिरिक्त जिला न्यायधीश अरविन्द शर्मा, अति. जिला न्यायधीश अतुल सक्सेना, जिला न्यायालय के साथ ही रजिस्ट्रार अग्निवेन्द्र द्विवेदी कॅरियर कॉलेज की प्रचार्य डॉ. चरनजीत कौर, उप प्राचार्य डॉ. अनिता भदौरिया एवं डॉ. गायत्री यादव भी उपस्थित थीं।

एम्स ने आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन

भोपाल (काप्र)। कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में एम्स की तरफ से फन्दा ब्लॉक के बकानिया गाँव में आयुष की तरफ से हेल्थ कैंप में अपनी सेवा दी थी जिसमे कई मरीजों ने आकर स्वास्थ शिविर का लाभ उठाया द्य आयुष की तरफ से मेडिकल ऑफिसर डॉ तारिक बरकती और योग प्रशिक्षक चंचल सूर्यवंशी उपस्थित रहे। कैम्प में योग परामर्श सत्र के साथ आयुष परामर्श और रोगियों को आयुष दवा का निःशुल्क वितरण आयुष विभाग द्वारा आयोजित किया गया और जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को समग्र स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान की गयी। प्रतिभागियों की आयु बहुत अलग-अलग थी, युवा वयस्कों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, और वे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आए थे। कई लोग गठिया, चिंता और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों से राहत चाहते थे, जबकि अन्य निवारक स्वास्थ्य या बस अपने जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने में रुचि रखते थे। रोगियों की प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक रही है, जिसमें कई लोगों ने अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार की रिपोर्ट की है। प्रतिभागियों ने अनुभवी प्रशिक्षकों से व्यक्तिगत ध्यान और सत्रों के दौरान बढ़ावा दिए गए सहायक सामुदायिक माहौल की सराहना की। आम तौर पर बताए गए लाभों में दर्द और जकड़न में कमी, लचीलेपन और ताकत में वृद्धि, तनाव प्रबंधन में सुधार और विश्राम और आंतरिक शांति की अधिक भावना शामिल थी। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने यूनानी चिकित्सा जैसी पारंपरिक उपचार पद्धतियों को शामिल करने पर संतोष व्यक्त किया, जिसने उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अतिरिक्त रास्ते प्रदान किए।

नौकरी के नाम पर ठगने वाला सलाखों के पीछे

भोपाल (काप्र)।

रातीबड़ इलाके में एक जालसाज ने खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो का अधिकारी बताकर बेरोजगारो को सरकारी विभागो में नौकरी लगवाने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम ऐंठ ली। इतना ही नहीं आरोपी लोगो को फर्जी दस्तावेज बनाकर थमा भी देता था।

बाद में तब लोगों को अपने साथ हुई धोखाधड़ी की जानकारी लगी तब ठग को पकड़कर पुलिस के पास ले जाने लगे। लेकिन आरोपी उनके चुगंल से छूटकर भाग गया। इसके बाद शिकायत मिलने पर रातीबड़ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने जालसाज को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि खरगोन निवासी हरि पटेल ने सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर खरगौन से लेकर भोपाल तक धोखाधड़ी करते हुए कई लोगो से मोटी रकम ले ली। लेकिन जब लंबे समय तक लोगों की नौकरी नहीं लगी तब उन्हें सदेंह हुआ। इसके बाद पीड़ीतो ने जब आपस में संपर्क किया तब पता चला की उसने कई लोगो को अपने जाल में फंसाया था। है। पुलिस कमिश्नर ने इस पूरे मामले की जांच एसीपी टीटी नगर को सौंपी है। शुरुआती जांच में सामने आया है, कि हरि पटेल लोगों पर रौब जताने के लिए खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो का अधिकारी बताता था। और कई लोगों से नौकरी के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए की ठगी कर चुका है। पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

गैस राहत चिकित्सालयों में प्रतिनियुक्ति पर ली जाएंगी चिकित्सा अधिकारियों की सेवाएँ

भोपाल (काप्र)।

गैस राहत चिकित्सालयों के लिये विशेषज्ञों, कंसलटेंट और चिकित्सा अधिकारियों की सेवाएँ प्रतिनियुक्ति पर ली जायेंगी। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास ने बताया कि भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वास विभाग के अधीन 6 चिकित्सालयों एवं 9 औषधालयों में चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिये वरिष्ठ परामर्शी (प्राध्यापक के समकक्ष), परामर्शी (सह प्राध्यापक के समकक्ष), कनिष्ठ परामर्शी (सहायक प्राध्यापक के समकक्ष), विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों पर 2 वर्षों की अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर सेवाएँ ली जाना हैं। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास ने बताया कि इच्छुक चिकित्सक विभागीय वेबसाइट से आवेदन डाउनलोड कर पूर्ण जानकारी भरकर समक्ष में अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय, गैस राहत एवं पुनर्वास, शिवाजी नगर, भोपाल में 10 जून, 2024 तक कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठजन को लेकर पहुंचे अयोध्या

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज प्रदेश के वरिष्ठ जन के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। मुख्यमंत्री भोपाल से पूर्व राज्यसभा सदस्य रघुनंदन शर्मा, पूर्व सांसद नारायण केसरी, वरिष्ठ समाजसेवी ओम मेहता तथा वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा के साथ विमान से अयोध्या के लिए रवाना हुए।

अयोध्या पहुंचने पर उत्तर प्रदेश विधानसभा सदस्य व भाजपा प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, अयोध्या के विधायक वेद गुप्ता, प्रदेश भाजपा मंत्री मणींद्र पांडे और भाजपा जिला

अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उनके साथ पधारे वरिष्ठ जन का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि एक बार मैं हमारे मंत्री मंडल के सभी साथियों के साथ दर्शन करने अयोध्या गया था। सभी साथियों ने सपरिवार अयोध्या में श्रीराम के दर्शन किए थे तभी यह निश्चित किया था कि प्रदेश के सभी जिलों के लोग आयोध्या जाकर दर्शन करें, ऐसी व्यवस्था की जाएगी। मेरे मन में यह सहज भाव है कि भगवान के दर्शन सभी को करने चाहिए। यह व्यवस्था इसी भाव का प्रकटीकरण होगी।

डॉ. यादव ने कहा कि अन्य प्रदेशों के लोग भी प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करने आएं, इसके लिए भी योजना बनाई जा रही है। आंतरिक दृष्टि से मध्यप्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र बहुत बड़ा है, ऐसे प्रयासों से प्रदेश के देव स्थानों को लेकर लोगों में जागृति भी आएगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा और देव दर्शन से मन में संतोष रहता है और व्यक्ति आंतरिक शक्ति का भी अनुभव करता है।

इस प्रकार की यात्राएं और नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करने में सहायक होते हैं। डॉ. यादव के साथ गए वरिष्ठजन ने इस पहल के संबंध में कहा कि यह डॉ. यादव की संवेदनशीलता और वरिष्ठ जन के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है।